

सामुदायिक/ग्राम स्तर पर उपाय

- पानी की आपूर्ति प्रायः नलों, हैण्डपम्पों, तालाबों, कुओं आदि से करते हैं इन स्रोतों से पानी का उपयोग सही व स्वच्छ तरीके से हो इसके लिए आवश्यक है कि ग्राम स्तर पर सभी लोग मिलकर एक समिति का गठन करें।
- यह समिति समय-समय पर बैठक करे तथा इस विषय पर विचार-विमर्श करें कि गाँव की जनसंख्या के अनुसार कुल कितने पानी की आवश्यकता है।
- यह आवश्यकता किन स्रोतों से पूरी हो सकती है। गाँव में सुरक्षित पानी की आवश्यकताओं के अनुसार पेयजल एवं खाना पकाने के लिए अपने क्षेत्र में उपलब्ध जल स्रोतों का उपयोग केवल पीने व खाना पकाने के लिए ही करें। अन्य आवश्यकताओं के लिए शेष जल स्रोतों को उपयोग में लें।
- जल के उपयोग पर निगाह रखें व आवश्यक कार्यवाही करें।
- समिति समय-समय पर सामूहिक स्तर पर धन एकत्र करें जिससे हैण्डपम्प की मरम्मत, कुएँ/तालाब को गहरा करवाना आवश्यकता होने पर टैंकरों से पानी मंगवाना टांका बनवाना इत्यादि कार्य किये जा सकें।



**बूढ़-बूढ़ कीमती हैं
जल का श्रपव्यय न करें।**

वर्षा के पानी का संग्रहण एवं भू-जल पुनर्भरण करें

- एक 250 वर्ग मीटर का जलग्रहण क्षेत्र 50 से.मी. बरसात होने पर भी 100000 लीटर से ज्यादा पानी एकत्रित कर सकता है जो 120 लोगों की पीने व खाना पकाने के पानी की आवश्यकता 5 महीने तक पूरी कर सकता है। पुराने कुँओं व बोरवैल, नलकूपों के भू-जल स्तर को बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक बरसात के पानी को काम में लें ध्यान रखें कि बरसात के इस पानी में कोई गंदगी न मिलने पायें।
- सामुदायिक इमारतों जैसे प्राथमिक, माध्यमिक विद्यालयों की छत आदि का बरसाती पानी सामुदायिक टांकों को भरने में उपयोग में लें।
 - जहाँ भी ढाल उपलब्ध हो उस स्थान पर थोड़ा गहरा गड्ढा या खाई खोदें ताकि पानी हवा में उड़ने के बजाय भू-जल स्तर को बढ़ाएँ
 - अधिक संख्या में बांध या एनिकट बनाएँ इससे जलस्तर ऊपर उठेगा ही साथ में आपके पशुओं व फसल के लिए भी अतिरिक्त जल उपलब्ध रहेगा कटुरबंदिग खुरा लगाना एवं मेडबन्धी करने से वर्षा के जल से जमीन में नमी बनी रहती है तथा खेती में कम पानी की आवश्यकता होती है।

तालाब व जोहड़ के डाल का संरक्षण करें



- जल संग्रहण क्षेत्र में अतिक्रमण न होने दें यदि अतिक्रमण हो तो सलाह कर हटा दें। जब भी संभव हो तालाब व जोहड़ को गहरा करते रहें ताकि पानी को अधिक मात्रा में संग्रहित किया जा सके।
- जिन तालाबों का पानी पीने के काम आता हो उनकी पशुओं एवं अन्य संक्रमण से रक्षा करें।
- तालाब व जोहड़ के निकट शौच न करें।
- बरसात के मौसम के बाद में जल का जीवाणु परीक्षण करवाएँ यह सुविधा नजदीकी जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) में उपलब्ध है। गाँव में नये तालाब व जोहड़ समुचित कैचमेन्ट के साथ हैण्डपम्प के नजदीक बनाएँ ताकि बरसात के पानी से भू-जल का स्तर बना रहे एवं आपका हैण्डपम्प लम्बे समय तक आपको साफ पानी देता रहे।

हैण्डपम्प/कुएँ के पानी का संरक्षण करें

- हैण्डपम्प सुरक्षित जल का सामान्यतया उपलब्ध स्रोत है इस का रखरखाव करें। गाँव में मिस्त्री से हमेशा सम्पर्क रखें व देखें कि आवश्यक स्पेयर पार्ट्स व मरम्मत के औजार उपलब्ध हैं। हैण्डपम्प से कम से कम 15 मीटर दूर तक कचरा मल-मूत्र का निस्तारण करें। हैण्डपम्प के बहते पानी को उसके आस-पास जमा न होने दें। वर्षा के जल से भू-जल का पुनर्भरण आपके हैण्डपम्प, कुएँ में पानी की उपलब्धता बनाएँ रखेगा।
- कुँए में जल का पुनर्भरण आप कुँए के पास एक सोखा गड्ढा खोदकर कर सकते हैं। कुँए व सोखे गड्ढे को हमेशा ढक कर रखें।
- कुओं के पानी की समय-समय पर जाँच करवानी चाहिए तथा पानी को जीवाणु रहित करने के लिए इनमें ब्लीचिंग पाउडर का घोल डालना चाहिए, इसके लिए आवश्यक हो तो स्वास्थ्य विभाग से सम्पर्क कर परामर्श लेना चाहिए।
- समय-समय पर कुओं की सफाई भी करें एवं कुओं को ढक की रखें। हैण्डपम्प लगाने के लिए बोरवैल की गहराई पर खास ध्यान रखें। जिन गाँवों में बाढ़ का खतरा रहता है वहाँ ऊँचे सुरक्षित स्थल पर एक हैण्डपम्प होना चाहिए ताकि पीने का पानी उपलब्ध रहे।



सुरक्षित जल

सुरक्षित कल



बूढ़-बूढ़ बचायें

ग्राम चेतना केन्द्र

मु.पो. : खेड़ी मिलक (जयपुर)

फोन : 01424-282234, 282256

e-mail : gckom@india.com

Website : www.gck.org.in

सौजन्य से

सी.सी.एफ. इण्डिया



जल जीवन की मूलभूत जरूरत है, इसे व्यर्थ न बहायें। सुरक्षित पानी जीवन का मूल आधार है



स्वच्छ एवं सुरक्षित जल अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है। गंदा व प्रदूषित जल बीमारियाँ फैला सकता है। सभी प्रकार के घरेलू आवश्यकताओं के आधार पर सामान्यतया प्रतिदिन एक आदमी को 40 लीटर पानी की आवश्यकता होती है किंतु अकाल जैसी स्थिति में दैनिक उपयोग के लिए प्रति व्यक्ति कम से कम से कम 15 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। क्या आपको एवं आपके गाँव में सभी के लिए इतना पानी है कि वर्षा कम होने पर भी आपकी जरूरतभर का पानी उपलब्ध रहे?

प्रतिदिन न्यूनतम सुरक्षित पानी की आवश्यकता (लीटर में)

परिवार में सदस्यों की संख्या	पीने का पानी/खाना पकाने का पानी	अन्य कार्यों के लिए	कुल योग
6	30	60	90
7	35	70	105
8	40	80	120
9	45	90	135
10	50	100	150

क्या आपके गाँव में इतना पानी है कि वर्षा व कम संसाधनों के बावजूद जरूरत का पानी उपलब्ध है?

सुरक्षित पानी का संकट क्यों ?

वर्षा की कमी

वर्षा जल के संरक्षण की कमी

भूजल का पुनर्भरण कम व दोहन अधिक

सिंचाई/तराई में अधिक उपयोग

जल ही जीवन है
इसकी हर बूँद बचायें

घरेलू स्तर पर उपाय

वर्षा के जल का संरक्षण करें अपनी वर्षभर की आवश्यकता के लिए

यह तो आपको ज्ञात है कि राजस्थान में अन्य राज्यों से कम वर्षा होती है जिसके फलस्वरूप पूरे वर्ष के लिए पर्याप्त जल की आपूर्ति नहीं हो पाती है। इसके अतिरिक्त हम वर्षा के जल को व्यर्थ में बहने देते हैं पानी की इस कमी को हम अपने प्रयासों से काफी हद तक पूरी कर सकते हैं जैसे-

- छत से बरसात के पानी को व्यर्थ न बहने दें। वर्षा काल में छतों की सफाई करें तथा छत के ढलान वाली ओर पाइप लगाकर यह पानी टांके/कुण्ड में संग्रह करें।
- छत पक्की न हो तो खेत या खुले मैदान में टांका बनवाकर पानी इकट्ठा करें यदि टांका बनवाना संभव न हो तो मुर्गा जाली टांका या प्लास्टिक टैंक इस्तेमाल करें।

वर्षा जल की मात्रा लीटर में (कुल वर्षा का 80 प्रतिशत एकत्र करने पर।)

छत का माप वर्षा मि.मी. वर्ग मीटर	50	100	150	200	250
200	8000	16000	24000	32000	40000
300	12000	24000	36000	48000	60000
400	16000	32000	48000	64000	80000
500	20000	40000	60000	80000	100000

राजस्थान में होने वाली औसत वर्षा एक पक्के मकान की छत (लगभग 25 वर्गमीटर) से इतना पानी संग्रह हो सकता है जिससे 10 लोगों के परिवार की 200 से ज्यादा दिनों तक खाना पकाने एवं पीने के पानी की आवश्यकता पूरी हो सकती है।

जल प्रकृति का अनमोल धरोहर है यदि जल व्यर्थ बहेगा तो आने वाले समय में पानी की कमी एक गहन संकट बन जायेगी। समझदारी से जल का उपयोग करें तो जल की उपलब्धता लम्बे समय तक बनी रह सकेगी।

- ❖ पानी व्यर्थ न बहने दें।
- ❖ आप स्वयं पानी बचायें एवं अपने आस-पास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।
- ❖ उन्नत तकनीक का सस्ता स्वच्छ शौचालय उपयोग में लें जिसमें पानी की बहुत कम आवश्यकता पड़ती है।
- ❖ जहाँ तक संभव हो नहाने-धोने के पानी को सब्जी की क्यारियों या पेड़-पौधों के लिए इस्तेमाल करें।



पानी की गुणवत्ता घरेलू स्तर पर बनाये रखें

पानी में प्रदूषण के कई कारण हैं। प्रतिवर्ष पानी के नमूने की जाँच के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में ले जाएँ एवं सुनिश्चित करें कि पानी मनुष्य उपयोग के लिए सही है।



जल में अधिक फ्लोराइड हो तो एकटीवेटेड एल्यूमिना फिल्टर/नाल गोड़ा तकनीक का उपयोग किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग या क्षेत्र में कार्यरत स्वयं सेवी संगठन से सम्पर्क करें।

■ जल में जीवाणुओं को नष्ट करने के लिए 15 लीटर पानी में 2 क्लोरीन की गोलियाँ हर 100 लीटर पानी में 3 ग्राम ब्लीचिंग पाउडर का घोल बनाकर डालें एवं आधे घंटे बाद उपयोग में लें। क्लोरीन की गोलियाँ नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र एवं ब्लीचिंग पाउडर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग एवं स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध है।

- जल संग्रह के लिए बनाये गये टांकों को साफ रखें।
- जल स्रोतों के आस-पास गंदगी ना फैलायें।

पानी की गुणवत्ता

पानी में प्रदूषण न हो इसके लिए सामुदायिक स्तर पर उपाय करने चाहिए

- हैण्डपम्प से जल निकास के लिए पुख्ता नालियाँ बनाएँ एवं उसके पास गंदगी न होने दें।
- खुले कुएँ के पानी को ब्लीचिंग पाउडर डालकर नियमित रूप से जीवाणु रहित पानी को काम में लें।
- प्राइवेट टैंकरों द्वारा वितरित जल वितरण से आधा घंटा पूर्व टैंकर की क्षमता के अनुसार ब्लीचिंग पाउडर का घोल डालें।
- जल संग्रह की टंकी के आस-पास स्वच्छ वातावरण रखें एवं अनुभव पानी के